



“श्री यमुनाष्टकम्”

सिर पै मुकुट मोर, कानन कुण्डल हिलोर
कमल से नैना चकोर यमुना हरि कामिनी
नासा बुलाख लोल कुंकुम चित्रित कपोल
माथे है बिन्दु गोल यमुना वरदायिनी

अधरन पै लालिमा, सनैनन है कालिमा
बैनन रसालिमा, यमुना सुख कारिनी
काँधे लटकें सुकेश राजै वदन राकेश
सेवेंनित, श्री विट्ठलेश यमुना कलिनाशिनी
पहिरै कट पटपीत, चोली कसी प्रिय पीत
हरिहिय बढावै प्रीति, यमुना नव भामिनी
सोहै गरे वनमाल, ऐडी, महावर लाल
चलत मत गज सी चाल यमुना भवतारिनी
कमल कर नव दाम, चली है वृन्दावन धाम
राधा मनावन वाम, यमुना सह चारिनी
कलिन्द गिरी पै गिरी चौदह भुवनन फिरी
मोहन सखियन घिरी यमुना ब्रज वासिनी